फ्रीविन बियर © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

इतिहास रचते हुए

डोमनिक डिपास्कल

बाराक ओबामा की अनूठी जीवनी और 2008 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से नामांकन के लिए सफल चुनाव अभियान से अमेरिका की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

बाराक ओबामा राष्ट्रपति पद के लिए किसी प्रमुख अमेरिकी राजनीतिक दल का नामांकन पाने वाले अफ्रीकी अमेरिकी मूल के पहले प्रत्याशी हैं। उनकी जीवनी अब तक के किसी भी राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन पाए व्यक्ति से बिलकुल ही अलग है। वह केन्याई पिता और अमेरिकी श्वेत मां की द्विजातीय संतान हैं। वह 2004 में डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए अपने उद्वेलित कर देने वाले मुख्य भाषण से राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुए। उसी वर्ष वह इलिनॉय राज्य से अमेरिकी सेनेट के लिए निर्वाचित हुए। इसके मात्र चार वर्ष बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के कई शीर्षस्थ दिग्गजों को पछाड़कर उन्होंने पार्टी की ओर से व्हाइट हाउस के लिए नामांकन पाया।

अपनी परिष्कृत भाषण शैली, वाक पटुता और शब्दों के जादू, युवा मतदाताओं के उत्साह को बढ़ाने की क्षमता और चुनाव अभियान में इंटरनेट के कुशल उपयोग के कारण ओबामा सही अर्थ में 21 वीं सदी के प्रत्याशी हैं। इसके अलावा उन्होंने पांच माह लंबे, उतार-चढ़ाव भरे प्राइमरी चुनाव में चुनाव अभियानों के परंपरागत तौर-तरीके भी बखूबी अपनाए और अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी सेनेटर हिलैरी क्लिंटन को हराया।

ऊपर: बर्लिन, जर्मनी में विक्ट्री कॉलम स्मारक पर भाषण देने के बाद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते ओबामा।

अपने चुनाव अभियान में ओबामा ने दो मुख्य विषयों पर बल दिया: वाशिंगटन से राष्ट्र का कारोबार चलाने के परंपरागत तरीके में परिवर्तन और विभिन्न विचारों तथा सामाजिक व जातीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को मिलकर सबके हित में काम करने के लिए प्रेरित करना।

ओबामा ने वर्ष 2004 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, ''कोई उदार या रुढ़िवादी अमेरिका नहीं है बल्कि वह केवल एक है- संयुक्त राज्य अमेरिका। कोई अश्वेत अमेरिका, श्वेत अमेरिका, लैटिनो अमेरिका और एशियाई अमेरिका नहीं है, बल्कि वह केवल संयुक्त राज्य अमेरिका है...हम सब एक हैं, हम सभी की निष्ठा अमेरिकी झंडे में है, हम सब संयुक्त राज्य अमेरिका की रक्षा कर रहे हैं।''

प्रारंभिक वर्ष

ओबामा के माता-पिता की पृष्ठभूमि अलग-अलग थी। उनकी मां ऐन डनहैम का जन्म और पालन-पोषण कैन्सस जैसे छोटे-से नगर में हुआ। जब उनका परिवार हवाई द्वीप समूह में बस गया तो वहां उनकी भेंट बाराक ओबामा सीनियर से हुई जो केन्या से छात्रवृत्ति पर आकर हवाई यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे थे। वर्ष 1959 में उन दोनों का विवाह हो गया और 4 अगस्त 1961 को होनोलुलू में बाराक ओबामा जूनियर का जन्म हुआ। दो वर्ष बाद सीनियर ओबामा को पहले हार्वर्ड में ग्रेजुएशन की पढ़ाई के लिए और फिर केन्या में सरकारी अर्थशास्त्री के पद का कार्यभार संभालने के लिए परिवार छोड़कर जाना पड़ा। इसके बाद बालक ओबामा की अपने पिता से केवल एक बार 10 वर्ष की उम्र में ही भेंट हो सकी।

ओबामा जब 6 वर्ष के थे तो उनकी मां ने एक इंडोनेशियाई तेल एक्जिक्यूटिव से विवाह कर लिया। तब उनका परिवार इंडोनेशिया चला गया और ओबामा ने वहां राजधानी जकार्ता में चार वर्ष तक स्कूल में पढ़ाई की। वह अंततः हवाई लौट आए और अपने नाना-नानी के पास रह कर हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी की।

ओबामा ने अपनी पहली पुस्तक 'ड्रीम्स फ्रॉम माई फ़ादर' में लिखा है कि उनकी किशोरावस्था के वे बहुत उतार-चढ़ाव भरे दिन थे। उन्हीं दिनों उन्होंने द्विजातीय विरासत का अर्थ समझने की कोशिश की क्योंकि अमेरिका में यह तब आम बात नहीं थी। अश्वेत और श्वेत दोनों प्रकार के अमेरिका में उनकी जड़ें होने के कारण ही शायद ओबामा वर्षों बाद राजनीति को एक खुली दृष्टि दे पाए। ऐसी दृष्टि, जो इन दोनों पहलुओं को समान रूप से समझ सकती है।

उनके लॉ स्कूल के सहपाठी कसांड्रा बट्स ने न्यू यॉर्कर मैगजीन के लेखक को बताया, ''बाराक में विरोधाभासी दिखाई देने वाली सच्चाइयों को भी एक दिशा में लाने की अद्भुत क्षमता है। ऐसा तभी संभव होता है जब घर में आपको श्वेत लोग पाल-पोष रहे हों और बाहर की दुनिया आपको अश्वेत मानती हो।''

ओबामा को लॉस एंजेलेस, कैलिफ़ोर्निया स्थित ऑक्सिडेंटल कॉलेज में दाखिला लेने के लिए एक बार फिर दो वर्ष के लिए हवाई द्वीप समूह छोड़ना पड़ा। बाद में वह न्यू यॉर्क शहर चले गए जहां कोलंबिया यूनिवर्सिटी से 1983 में उन्होंने बैचलर ऑफ़ आर्ट की डिग्री हासिल की। न्यू यॉर्क में यद्यपि वह कम समय तक ही रहे लेकिन वहां रहने के दौरान उन्होंने समाज के सबसे निचले तबके के बीच रह कर काम करने की अपनी इच्छा पूरी की। तब ओबामा ने उस खाई को देखा जो शहर के धनी तबके और अलग बस्तियों में रह रहे तमाम सामाजिक बुराइयों से जूझ रहे लोगों के बीच थी।

इलिनॉय में वे वर्ष

बाद में अपनी पहचान बनाने और जीवन की उद्देश्यपूर्ण दिशा खोजने के लिए ओबामा न्यू यॉर्क स्थित एक अंतरराष्ट्रीय परामर्शदात्री फर्म में वित्तीय लेखक की नौकरी छोड़कर 1985 में शिकागो, इलिनॉय चले गए। वहां उन्होंने शहर के दक्षिणी भाग में स्थानीय गिरिजाघरों के एक संगठन के लिए सामुदायिक संगठनकर्त्ता के रूप में काम किया। वहां गरीब अफ्रीकी मूल के अमेरिकी लोग रह रहे थे, जो उस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के निर्माण केंद्र से सेवा केंद्र में बदल जाने की आर्थिक परेशानियों को झेल रहे थे।

कई वर्ष बाद राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की घोषणा करते समय उन्होंने याद करते हुए अपने भाषण में कहा, ''इन बस्तियों में ही मैंने सर्वोत्तम शिक्षा प्राप्त की और इनमें ही मैंने अपनी ईसाई आस्था का असली अर्थ समझा।''

ओबामा को इस काम में प्रत्यक्ष सफलता मिली और दक्षिणी क्षेत्र के निवासियों को आर्थिक पुनर्विकास, कार्य प्रशिक्षण तथा पर्यावरणीय स्वच्छता जैसे मुद्दों के लिए अपनी आवाज़ उठाने का मौका मिला। उन्होंने सामुदायिक संगठनकर्त्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई जिसका काम आम नागरिकों को प्रेरित करके राजनीतिक तथा आर्थिक सशक्तीकरण के लिए देशज रणनीतियों को बढ़ावा देना है।

तीन वर्ष बाद ओबामा इस नतीज़े पर पहुंचे कि विपत्तियों को झेल रहे ऐसे समाज में वास्तविक रूप से सुधार लाने के लिए कानून तथा राजनीति के उच्च स्तर पर काम किया जाना चाहिए। इसलिए उन्होंने कैंब्रिज, मैसाच्यूसेट्स के हार्वर्ड लॉ स्कूल में दाखिला लिया जहां वह प्रतिष्ठित हार्वर्ड लॉ रिव्यू के प्रथम अश्वेत प्रेसिडेंट चुने गए। उन्होंने वहां से 1991 में बड़े सम्मान के साथ ग्रेजुएशन किया।

उनके राष्ट्रपति चुनाव के रणनीतिकार डेविड एक्जेलरॉड कहते हैं कि ऐसी उच्चस्तरीय योग्यताओं के साथ 'ओबामा जो कुछ भी चाहते, वह कर सकते थे। ओबामा अपने नए गृह नगर शिकागो लौट आए जहां उन्होंने नागरिक अधिकार कानून की वकालत की और शिकागो यूनिवर्सिटी में संवैधानिक कानून पढ़ाया। 1992 में उन्होंने हार्वर्ड की ही लॉ ग्रेजुएट मिशेल रॉबिंसन से विवाह कर लिया और बिल क्लिंटन आदि डेमोक्रेट प्रत्याशियों की मदद के लिए मतदाताओं के पंजीकरण का काम किया।

लोक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण ओबामा ने 1996 में पहली बार चुनाव लड़ने का फैसला किया और इलिनॉय राज्य की सेनेट के लिए शिकागो से चुनाव जीता। कई अर्थों में यह चुनावी दौड़ उनके पहले किए गए सामुदायिक संगठनकर्त्ता के कार्य का ही विस्तृत रूप था और ओबामा ने अपने सोच की राजनीति को वही विस्तृत आयाम दिया यानी

मैरी एन चैस्टेन © ए. पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

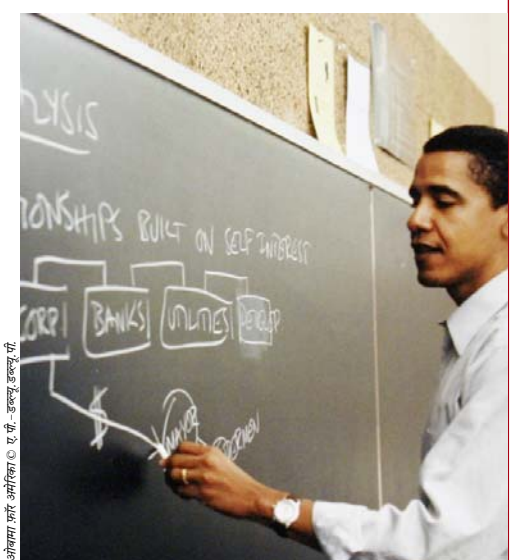

ओबामा फॉर अमेरिका © ए. पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

सबसे ऊपर: कोलंबिया, साउथ कैरालाइना के विलियम्स ब्राइस स्टेडियम में नृत्य करते मिशेल और बाराक ओबामा। ओपरा विनफ्रे (दाएं) उन्हें देख रही हैं।
ऊपर: यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो लॉ स्कूल में पढ़ाते ओबामा।

राजनेता नागरिकों के सुझाए बुनियादी प्रयासों को असली जामा पहनाएं तथा खुली विचारधाराओं का मेल कराएं।

उस दौरान उन्होंने साफ कहा, ''जो अफ्रीकी मूल के अमेरिकी हमारी सफलता की राह में केवल नस्लवाद को रोड़ा मानते हैं, वे अगर अश्वेत, लैटिनो और एशियाई, सभी श्रमिकों के लिए आर्थिक असुरक्षा पैदा करने वाले बड़े आर्थिक मुद्दों का सामना करने के लिए तत्पर नहीं होते हैं तो वे बहुत भ्रम में हैं। राज्य की सेनेट में आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा होने पर वह वित्तीय उदारता अभियान, नौकरीपेशा गरीब लोगों के लिए टैक्स में कमी और राज्य की दंड न्याय प्रणाली में सुधार जैसी वैधानिक उपलब्धियां अर्जित कर चुके थे।

राष्ट्रीय मंच

ओबामा ने 2000 में पहली बार अमेरिकी कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ा। उन्होंने शिकागो के पदस्थ

पेन सेंसर्स © ए पी-इमेज ट्रस्ट्स पी

डेमोक्रेट बॉबी रश को उनकी प्रतिनिधि सभा की सीट के लिए चुनौती दी, मगर असफल रहे। रश के साथ प्राइमरी चुनाव में मुंह की खाने और इलिनॉय राज्य विधायिका से बाहर अपना प्रभाव क्षेत्र बनाने के लिए उन्होंने मिशेल को अपना यह विचार बताया कि अपने राजनीतिक कॅरिअर को आगे बढ़ाने के लिए वह अमेरिकी सेनेट के चुनाव में 'जीतो या बाहर हो जाओ की रणनीति' अपना कर अंतिम दांव चलेंगे।

इलिनॉय में 2004 की अमेरिकी सेनेट की चुनौती दौड़ साल भर पहले खुला खेल हो गई थी क्योंकि पदस्थ रिपब्लिकन प्रतिनिधि पीटर फ़ित्जेराल्ड ने घोषणा कर दी थी कि वह पुन: चुनाव नहीं लड़ेंगे। सेनेट के नामांकन के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के सात और रिपब्लिक पार्टी के आठ उम्मीदवार प्राइमरी चुनाव मैदान में उतरे। डेमोक्रेटिक पार्टी के ओबामा ने अपने छह साथी प्रतियोगियों को प्राप्त कुल मतों से भी अधिक 53 प्रतिशत मतों से नामांकन दौड़ जीत ली।

तब 100 सदस्यीय अमेरिकी सेनेट में रिपब्लिकन पार्टी की 51 सीटों के कारण हल्की-सी बढ़त थी। डेमोक्रेटों को लगा, इलिनॉय में सेनेट चुनाव के बूते पर वे नवंबर में सेनेट में अपना बहुमत बना सकते हैं (हालांकि वे 2006 में बहुमत बना पाए)। ओबामा के चुनाव अभियान को मज़बूती प्रदान करने, उनकी वाक पटुता और डेमोक्रेटिक पार्टी का राष्ट्रपति चुनाव का नामांकन पाने वाले जॉन कैरी पर उनके अच्छे प्रभाव के कारण ओबामा को सम्मेलन में मुख्य वक्ता चुनने का निर्णय ले लिया गया।

पार्टीगत मतभेदों को भुलाकर, नुक्ताचीनी की राजनीति के बजाय आशावादिता की राजनीति पर ज़ोर देने वाले ओबामा के परिष्कृत भाषा में दिए गए ओजपूर्ण भाषण ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को जैसे जगा दिया। इसने ओबामा को राष्ट्रीय मीडिया में डेमोक्रेटिक पार्टी के एक नए उगते सितारे के रूप में उछाल दिया। उस बार शरद ऋतु में सेनेट की चुनावी दौड़ में ओबामा जीतते ही चले गए और उन्होंने 70 प्रतिशत लोकप्रिय मतों पर कब्जा कर लिया। हालांकि उस साल इलिनॉय में रिपब्लिकन उम्मीदवारों की भारी असमंजस की स्थिति के कारण शानदार जीत हासिल हुई, लेकिन ओबामा की शानदार जीत अपने-आप में अनोखी थी क्योंकि वह राज्य की 102 काउंटियों में से 92 में जीते और एक के मुकाबले दो से भी बेहतर

ऊपर: वर्ष 2004 में अमेरिकी सेनेट की दौड़ में विजयी होने के बाद पुत्री मालिया को लिए बाराक ओबामा और पुत्री साशा को लिए उनकी पत्नी मिशेल।
नीचे बाएं: ओबामा हवाई में हाई स्कूल ग्रेजुएशन समारोह में अपने नाना-नानी के साथ।
नीचे: डि मॉइन में आयोवा राज्य मेले में अपनी बेटी साशा के साथ बंपर कार की राइड का आनंद लेते ओबामा।

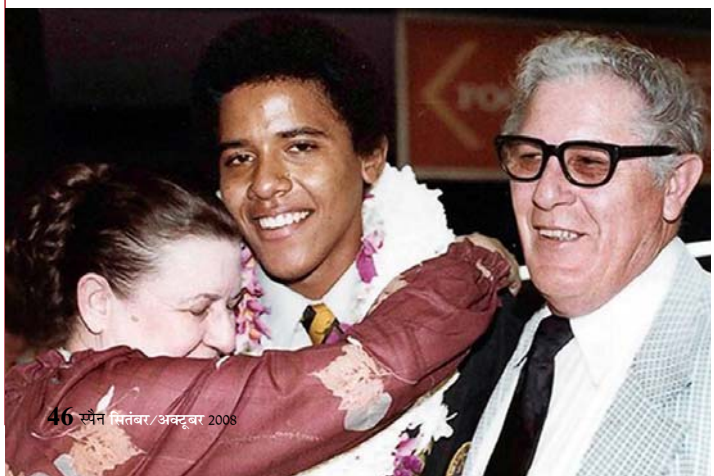

ओबामा प्रेसिडेंशियल कैंपेन © ए पी-इमेज ट्रस्ट्स पी

पेन सेंसर्स © ए पी-इमेज ट्रस्ट्स पी

दाएं: रमादी, इराक में बाराक ओबामा अनबार प्रांत के गवर्नर मामून सामी रशीद अल-अलवानी (दाएं) के साथ।
दाएं, बीच में: ओबामा और इराक में अमेरिका के सर्वोच्च सैन्य कमांडर डेविड पेट्रस बगदाद को हेलीकॉप्टर से देखते हुए।
दाएं, नीचे: बर्लिन, जर्मनी के विक्ट्री कॉलम पर ओबामा।

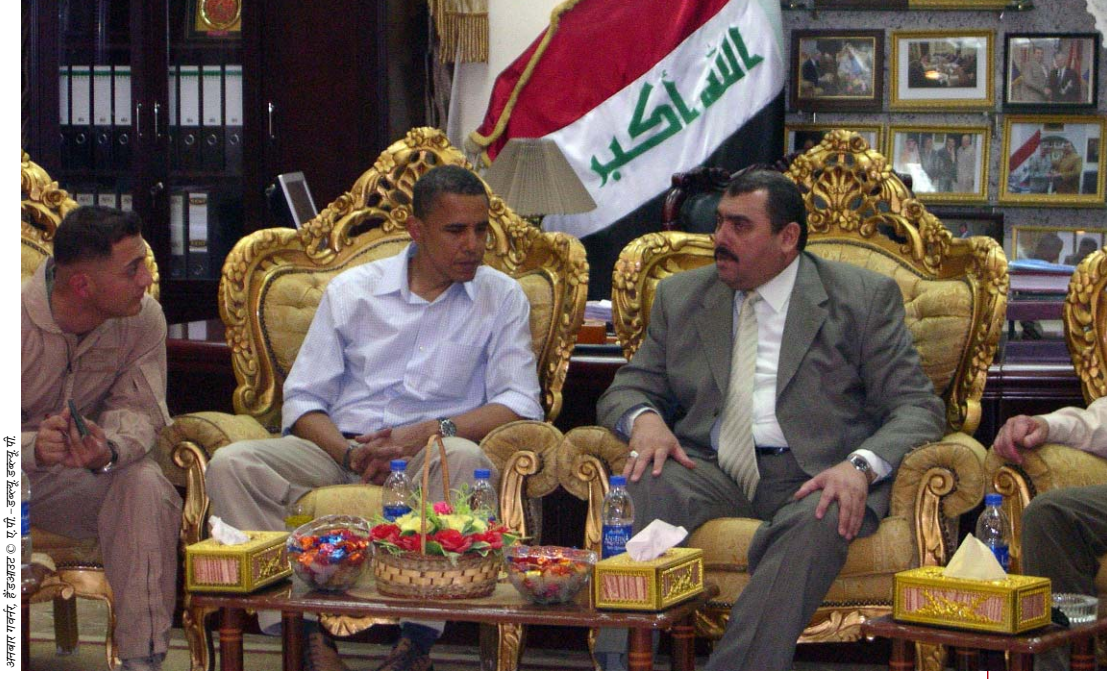

अमाद पावर्ना, हैंडउउट © ए. पी. वर्ल्ड फीचर्स

एसएसजी पीटर हैंडउउट © ए. पी. वर्ल्ड फीचर्स

पीटर मार्क © ए. पी. वर्ल्ड फीचर्स

अंतर से अश्वेत मत प्राप्त किए।

एक नए प्रकार के राजनीतिज्ञ के रूप में ओबामा की ख्याति बढ़ती गई जो परंपरागत नस्लीय अंतर को मिटाने में समर्थ था। न्यू यॉर्कर में विलियम फिनेगन ने ओबामा के जीवन चरित में उनकी प्रतिभा के लिए लिखा, 'वह धीरे-धीरे उनके वाक चातुर्य का मुहावरा बनती जा रही है। वह अमेरिकी देशज भाषा का भरपूर प्रयोग करते हैं।' ओबामा ने श्वेत मतदाताओं के साथ जुड़ाव का अपना ही स्पष्टीकरण दिया।

उन्होंने कहा, ''मैं इन लोगों को जानता हूं। ये मेरे दादा-दादी, नाना-नानी के समान हैं... इनका आचरण, इनकी संवेदनशीलता, इनका सही या गलत मानने का अधिकार- मैं इन सबसे परिचित हूं।''

सेनेट में ओबामा ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उदारवादी धड़े की परंपरा में रिकॉर्ड मत प्राप्त किए। इराक युद्ध की आलोचना युद्ध शुरू होने से भी पहले 2002 से ही उनका ट्रेडमार्क रहा है, जब उन्होंने कहा था कि ऐसी सैन्य कार्रवाई 'नियम पर नहीं बल्कि राजनीति पर आधारित' होगी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस में नैतिक मानकों को पुख्ता करने, पूर्व सैन्यकर्मियों की बेहतर देखभाल और नवीकरणीय ईंधन के अधिक उपयोग की दिशा में भी काम किया है।

राष्ट्रपति पद की दौड़ में

वर्ष 2007 में जब ओबामा और डेमोक्रेटिक पार्टी के सात अन्य प्रत्याशी राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए संगठित होने लगे तो मत सर्वेक्षणों में प्रत्याशित पसंद तथा न्यू यॉर्क की सेनेटर हिलैरी क्लिंटन के बाद ओबामा का लगातार दूसरा स्थान आता रहा। फिर भी, चुनाव की इस प्रारंभिक दौड़ में ओबामा को भरपूर सफलता मिली और उन्हें उत्साही समर्थकों, विशेष रूप से युवा समर्थकों का सहयोग मिला। उन्होंने देश भर में ज़मीनी स्तर तक चुनाव अभियान को संगठित किया तथा इंटरनेट के माध्यम से धनराशि एकत्र की।

क्लिंटन का नाम सुपरिचित था और चुनाव अभियान की मशीनरी भी सुव्यवस्थित थी। साथ ही उन्हें राज्य स्तर पर अग्रणी डेमोक्रेटों का सहयोग भी प्राप्त था। ओबामा खेमे ने ऐसी रणनीति बनाई कि ये फायदे निष्फल हो जाएं: उन्होंने ऐसे राज्यों को निशाना बनाया जिनमें प्रतिनिधि चुनने के लिए प्राइमरी चुनावों के बजाय कॉकस मीटिंगें आयोजित की जाती हैं। साथ ही, उन छोटे राज्यों पर ध्यान दिया जिनमें आम चुनाव के दौरान परंपरागत रूप से

रिपब्लिकन प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान किया जाता रहा है। यह डेमोक्रेटिक पार्टी के समानुपाती प्रतिनिधित्व प्रणाली का लाभ उठाने की रणनीति थी। इस प्रणाली में प्रत्येक राज्य के कन्वेंशन डेलिगेटों को मोटे हिसाब से प्रत्याशी के मतों के अनुसार बांटा जाता है जबकि रिपब्लिकन प्रणाली में प्रत्येक राज्य के विजयी प्रत्याशी को ही अधिकांश अथवा सभी कन्वेंशन डेलिगेट मिल जाते हैं।

इस रणनीति का लाभ आयोवा में 3 जनवरी 2008 को आयोजित राष्ट्र के पहले कॉकस में मिल गया, जिसमें क्लिंटन के खिलाफ ओबामा की सीधी जीत हुई। आयोवा की जीत ने खेल को नया रंग दे दिया। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार 'क्लिंटन की हार ने चुनावी दौड़ की दिशा बदल दी और ओबामा को क्लिंटन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना दिया, जिसके पास क्लिंटन की अगुआ स्थिति को चुनौती देने के लिए स्पष्ट संदेश था और संगठनात्मक शक्ति तथा वित्तीय संसाधन थे।'

एक बार फिर 'सुपर ट्यूजडे' 5 फ़रवरी को 22 राज्यों में एक साथ हुए चुनावों में इस रणनीति का लाभ मिला। ओबामा ने क्लिंटन के साथ बराबरी की स्थिति बना ली और पश्चिम तथा दक्षिण के ग्रामीण राज्यों में तो साफ जीत दर्ज़ की। इसके आगे भी लाभ मिला। फ़रवरी में ओबामा ने लगातार फिर 10 मुकाबले जीते। उनके प्रतिनिधियों की संख्या इतनी हो गई कि क्लिंटन के लिए उस संख्या को प्राप्त करना संभव नहीं रहा।

मार्च तथा अप्रैल में ओहायो और पेंसिल्वेनिया जैसे प्रमुख राज्यों में हार, ओबामा के लंबे समय से चले आ रहे पैस्टर के भड़काऊ बयानों और स्वयं ओबामा की इन टिप्पणियों की आलोचना से कि ग्रामीण मतदाता वैमनस्य में बंदूक व धर्म का सहारा ले लेते हैं, के बावजूद उनके डेलिगेट की संख्या इतनी बढ़ गई कि क्लिंटन के लिए आंकड़ों के घट-जोड़ के हिसाब से जीतना लगभग असंभव हो गया। अंतत: चुनाव शुरू होने के ठीक पांच माह बाद 3 फ़रवरी को यह थकाऊ दौड़ खत्म हो गई। मोंटाना में मिली विजय और पहले तक अनिश्चित समझे जा रहे सुपर डेलिगेटों के बढ़ते समर्थन के कारण ओबामा के पास डेलिगेटों की इतनी संख्या हो गई कि उसने राष्ट्रपति चुनाव में उनका टिके रहना निश्चित कर दिया।

ओबामा ने उस दिन शाम को विजय रैली में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा, ''क्योंकि आपने संदेह अथवा अपने भय की परवाह न करके अपनी महान आशाओं और महत्वाकांक्षाओं पर ध्यान देना है, आज रात हम एक ऐतिहासिक यात्रा के अंत और दूसरी यात्रा के शुभारंभ के गवाह बन रहे हैं।''

यू.एस. सेनेट फोटो © यू.पी.ई.-ब्रूस्टर्न्स

शिकागो में वर्ष 2004 में डेमोक्रेटिक राष्ट्रीय अधिवेशन में दिए मुख्य भाषण को पढ़ते बाराक ओबामा।

ओबामा राष्ट्रपति के रूप में?

यदि चुनाव में ओबामा जीत गए तो वह अमेरिका के पांचवे सबसे युवा राष्ट्रपति होंगे। उनका जन्म 1946-1964 की बेबी बूमर्स पीढ़ी में हुआ जब बच्चों के जन्म लेने की दर अचानक बढ़ गई। वह ऐसे पहले राष्ट्रपति भी होंगे जो 1980 के दशक में वयस्क हुए। इससे भी परिवर्तन की आशा बंधती है। वह जिस वातावरण में पले-बढ़े, वह 1960 के दशक के सामाजिक उतार-चढ़ावों से भरे उस वातावरण से भिन्न था जिसने बेबी बूमर्स पीढ़ी से पूर्व के व्यक्तियों के सोच को गढ़ा। ओबामा ने 2000 तथा 2004 के राष्ट्रपति चुनाव जिनमें युद्ध के बाद की पीढ़ी के पुराने प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा, के बारे में एक बार कहा, ''मुझे कभी-कभी ऐसा लगता था, जैसे मैं 'बेबी बूमर्स' वाली पीढ़ी का साइकोड्रामा देख रहा हूं जिसकी गाथा गिले-शिकवों और प्रतिशोध में पनपी है और उनका कथानक बहुत पहले चंद कॉलेजों के परिसर में लिखा गया। और, अब जैसे वही सब कुछ राष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे रहा है।''

ओबामा का 'परिवर्तन जिस पर विश्वास हो' के नारे में उनके चुनाव अभियान से अमेरिका को एक नई दिशा देने की प्रमुखता का पता लगता है। ओबामा ने इराक से लड़ाकू सैन्य टुकड़ियों की वापसी के समयबद्ध कार्यक्रम की वकालत की है, हालांकि वह प्रशिक्षण तथा आतंकवाद विरोधी मिशनों के लिए थोड़ी सेना वहां रहने देने के पक्ष में हैं। अफ़गानिस्तान में अमेरिकी सेना बढ़ाने तथा विकास हेतु मदद, आतंकी बंदियों की गुआंतानामो बे जेल को बंद करना और नाभिकीय अप्रसार के प्रयासों को मज़बूती प्रदान करना उनकी विदेश नीति की कुछ अन्य प्राथमिकताएं हैं। और, देश में वह स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी के विकास, अमेरिका की अर्थव्यवस्था को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतियोगी बनाने के लिए शिक्षा तथा बुनियादी ढांचे में निवेश को बढ़ाने, और वित्तीय अनुशासन बहाल करने के लिए 10 वर्षों की अवधि में 150 अरब डॉलर की राशि का निवेश करना चाहते हैं।

न्यू यॉर्कर की लरीसा मैक्फार्कुहर परंपरागत राजनीति के बजाय ओबामा के आकर्षण का एक सिद्धांत प्रस्तुत करती हैं। वह कहती हैं, ''सेनेट में ओबामा का वोटिंग रिकॉर्ड सर्वाधिक उदार रहा है लेकिन वह सदा रिपब्लिकनों की भी पसंद रहे हैं, शायद इसलिए कि वह उदारवादी विचारों को परंपरावादी भाषा में सामने रखते हैं।''

उन्होंने लिखा, ''इतिहास के बारे में उनके विचार, परंपरा के प्रति उनका आदर, उनका यह संशयवादी सोच कि इस दुनिया को बदला जा सकता है, भले ही बहुत धीरे-धीरे -इस सब को देखते हुए ओबामा बहुत परंपरावादी हैं।''

चाहे जीतें या न जीतें, ओबामा ने अमेरिका की राजनीति में नई ज़मीन की तलाश की है। वह ऐसे समय चुनाव में खड़े हुए हैं जब काफी अमेरिकी लोगों को यह लगने लगा था कि उनके देश को एक नई दिशा की ज़रूरत है। वाशिंगटन पोस्ट के राजनीतिक स्तंभ लेखक ई.जे. डियोन ने ओबामा की उम्मीदवारी और अमेरिकी युग चेतना के सौभाग्यपूर्ण संगम के बारे में शायद ठीक ही लिखा:

''अनुभव से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था परिवर्तन। सूक्ष्म विवरणों के बजाय पूर्ण परिवर्तन की बात चुनाव अभियान के भाषणों की विशेषता रही। बेहतर दिनों की आशा में अतीत को छोड़ना महत्वपूर्ण वादा रहा।''

***डोमनिक डिपास्कल** ने 27 वर्षों तक अमेरिकी सूचना एजेंसी तथा विदेश विभाग में काम किया है। अब वह स्वतंत्र लेखक के रूप में कार्यरत हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचार editorspan@state.gov पर भेजिए।